

खराबाती वि. (फा.) 1. शराबी, मदमस्त 2. रंडी बाज, वेश्यागामी।

खराबी स्त्री. (फा.) 1. बुरापन, दोष, अवगुण 2. दुर्दशा, दुरवस्था 3. विध्वंस, बरबादी।

खराब्दांकुरक पुं. (तत्.) लहसुनिया नाम का रत्न, वैदूर्य मणि।

खरारि पुं. (तत्.) 1. रामचंद्र 2. विष्णु 3. कृष्ण 4. बलराम 5. बत्तीस मात्राओं का एक छंद।

खरारी पुं. (तद्.) दे. खरारि।

खरालक पुं. (तत्.) 1. नापित, हज्जाम 2. नाई का सामान रखने का थैला 3. तकिया 4. लोहे का तीर।

खराश स्त्री. (फा.) 1. त्वचा का छिल जाना, खरोंच लगने से छिलना 2. खुजली 3. जुकाम के कारण गले में चुभन जैसी दशा।

खराहवा स्त्री. (तत्.) अजमोदा, अजवाइन।

खरिका स्त्री (तत्.) कस्तूरी का चूर्ण।

खरिया स्त्री. (देश.) पतली रस्सी से बनी जाली जो भूसा आदि बाँधने के काम में आती है, झोली, थैला **स्त्री. (देश.)** कंडे की राख।

खरियान पुं. (देश.) खलिहान।

खरियाना स.क्रि. (देश.) झोली में डालना, थैली में भरना, हस्तगत करना, ले लेना, झोली में से गिराना।

खरिहान पुं. (तद्.) दे. खलिहान।

खरी स्त्री. (तत्.) गधी **स्त्री. (देश.)** 1. एक प्रकार की ईख 2. खडिया **वि. (देश)** दे. खरा मुहा. खरी सुनाना- साफ, दो टूक बात कहना, अप्रिय सत्य कहना; खरी खोटी सुनाना- सच्ची बात कहना, भला बुरा कहना बिना. खोटी, कड़वी कसैली।

खरीक पुं. (तद्.) तिनका।

खरी-खोटी स्त्री. (देश.) स्पष्ट और कड़ी लगने वाली बात, खरी खोटी सुनाना- सत्य वचन सुनाना जो कड़वे हों।

खरीता पुं. (अर.) 1. सीमा, जेब 2. थैली 3. बड़ा लिफाफा जिसमें सरकारी आदेश भेजे जाते हैं 4. सुई धागे रखने की थैली।

खरीद स्त्री. (फा.) 1. मोल लेने की क्रिया या भाव, क्रय 2. खरीदी हुई वस्तु जैसे- इस शाल की खरीद पचास रुपए है।

खरीदना स.क्रि. (फा.) मोल लेना, क्रय करना, दाम देकर लेना।

खरीद फरोखत स्त्री. (फा.) क्रय विक्रय।

खरीदा स्त्री. (अर.) 1. कुमारी कन्या 2. लज्जाशील स्त्री **पुं. (अर.)** 1. बिना बिंधा हुआ मोती 2. दासी पुत्र **वि. (फा.)** खरीद किया हुआ, क्रीत।

खरीदार पुं. (फा.) 1. मोल लेने वाला, ग्राहक 2. चाहने वाला, इच्छुक।

खरीदारी स्त्री. (फा.) खरीद, क्रय, मोल लेने की क्रिया।

खरीफ स्त्री. (अर.) वह फसल जो कार्तिक के आधे माह और अगहन के बीच काटी जाए, धान मकई, बाजरा, उड़द, मोठ, मूँग आदि।

खरीवृष पुं. (तद्.) गधा।

खरु पुं. (तद्.) 1. अश्व, घोड़ा 2. दांत 3. गर्व, शान 4. कामदेव 5. शिव का नाम 6. श्वेत वर्ण 7. वर्जित वस्तुओं को लेने की इच्छा **स्त्री. (तत्.)** अपना पति स्वयं चुनने वाली कन्या **वि. (तत्.)** 1. सफेद 2. मूर्ख 3. निष्ठुर 4. निषिद्ध वस्तुओं को लेने का इच्छुक।

खरोंच स्त्री. (देश.) नख आदि लगने से त्वचा का छिल जाना, खराश, छिल जाने का निशान जैसे- सड़क पर पैर फिसलने से कुहनी में खरोंच आ गई।

खरोचना स.क्रि. (देश.) खुरचना, छीलना।

खरोश पुं. (फा.) जोर की आवाज, हल्ला, शोर।

खरोष्टी स्त्री. (तत्.) दे. खरोष्ठी।

खरोष्ठी स्त्री. (तत्.) एक प्राचीन लिपि जो फारसी की तरह दाहिने से बाएँ लिखी जाती थी और मौर्य काल में पश्चिमोत्तर भारत में चलती थी, इसे गांधार लिपि भी कहते हैं।